आमुख

हैप्योनैर की तरह निवेश करें पुस्तक का अंग्रेज़ी संस्करण परमेश्वर की कृपा से एकदम ही एक बेस्टसैलर सिद्ध हुआ। सभी उम्र के लोगों के यह कहने पर मुझे अत्यंत आनन्द की अनुभूति हुई कि इसने निवेश करने और पैसा बनाने के बारे में जानने के लिये उन्हें किस प्रकार प्रेरित किया, गुदगुदाया और प्रोत्साहित किया। मैं यह जानकर खुश हुआ कि इससे कितने सारे लोगों को लाभ पहुँचा और कितने सारे लोगों ने लम्बी अवधि के लिये बुद्धिमानी से निवेश करना सीखा। मैने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि इतने कम समय में हैप्योनैर का तरीका इतनी तेजी से फैल जायेगा और इतनी सारी ज़िन्दगियों को बदल देगा। तभी से यह हर उस व्यक्ति के लिये अवश्य पढ़ने जैसी पुस्तक बन गई है जो भारत में निवेश करना प्रारंभ करना चाहता है।

हैप्योनैर की तरह निवेश करें, इनवेस्ट दी हैप्योनैर वे के एक पाठक – कुलदीप सनाढ्य – के साथ मेरे विचार-विनिमय का परिणाम है। उन्होंने मुझे बहुत ही अनुग्रहपूर्वक इस पुस्तक का हिन्दी में अनुवाद करवाने का सुझाव दिया ताकि दूसरे लाखों-करोड़ों भारतवासी भी बुद्धिमानी से निवेश करना और पैसा बनाना सीख सकें। मुझे उनका विचार बहुत पसन्द आया, और सौभाग्य से उन्होंने ही पुस्तक का अनुवाद कर दिया। मैं हमेशा ही मानता आया हूँ कि विचार-विनिमय और ज्ञान प्रत्येक व्यक्ति के लिये लाभकारी सिद्ध होता है। उन्होंने अत्यधिक समय, परिश्रम और स्नेह का व्यय किया ताकि और भी लाखों-करोड़ों लोग बाँटे जा रहे ज्ञान से लाभ उठाएँ। मुझे विश्वास है कि आप

भी ठीक उन्हीं भावनाओं का और ठीक उसी मुस्कुराहट का अनुभव करेंगे जैसा यह पुस्तक लिखते समय मैंने किया था।

शायद आप में से कई लोग जिन्होंने यह पुस्तक ली है, वे यह सोच रहे होंगे कि 'हैप्योनैर' शब्द का अर्थ ज़्या है। हम सभी यह सोच रहे थे कि 'हैप्योनैर' शब्द का हिन्दी अनुवाद ज़्या हो। मैंने कुलदीपजी के साथ इस बारे में काफ़ी विचार-विमर्श किया और वैकल्पिक शब्दों के रूप में 'खुशपति' जैसे शब्दों पर विचार किया। हमने 'खुशपति' पर विचार इसलिए किया ज़्योंकि हमारे यहाँ लखपति, करोड़पति, अरबपति होते हैं। हमने सोचा कि हमें शायद 'सरल तरीके से निवेश कीजिये' या 'खुशी खुशी निवेश करें' जैसे शीर्षक रखने चाहिये।

फिर भी, लज़्बे विचार-विमर्श के बाद हमने 'हैप्योनैर' ही रखने का निश्चय किया ज़्योंकि यह केवल एक शब्द मात्र नहीं है, बल्कि यह एक विचार शैली और एक जीवन शैली भी है। यह हमें जो करना पसन्द है, उसे करते हुए खुश रहने और मुस्कुराते रहने के बारे में है। यह सादगी, मज़े, प्यार, और हर उस वस्तु के बारे में है जो जीवन को इतना सुंदर बना देती है। यह अपने दिल को सुनने के बारे में है और वही करने के बारे में है जो अपना दिल कहता है। यह अपने प्रति सच्चे बने रहते हुए पैसा बनाने और सफल बनने के बारे में है। मानवीय भावनाएँ, अनुभूतियाँ और प्यार सर्वव्यापी होते हैं और सभी अवरोधों से ऊपर होते हैं। हैप्योनैर का तरीका भी सर्वव्यापी है।

इस पुस्तक के विचार समयातीत हैं और इनका उपयोग शेयर बाज़ार किस ओर रूख कर रहे हैं इसका विचार किये बगैर किया जा सकता है। वास्तव में, इस पुस्तक में प्रस्तुत किये गये विचारों का उपयोग करने का सर्वश्रेष्ठ समय वह समय होता है जब बाज़ार गिरते हैं और आपके आसपास हर एक व्यक्ति निवेश करने से डरता है। दुनिया के सबसे धनवान भारतीय - लक्ष्मी मित्तल - और दुनिया के सबसे धनवान व्यक्ति - वॉरेन बफ़ेट - निवेश की इसी

फिलोसोफी का अनुसरण करते हैं। जब दूसरे लोग निवेश नहीं कर रहे होते हैं उस समय निवेश करना लंबी अवधि में भारी मात्रा में पैसा बनाने का सर्वश्रेष्ठ ज्ञात रहस्य है। परन्तु केवल चंद लोगों के पास ही ऐसा कर पाने के लिये आवश्यक धैर्य और दृढ़ता होती है और यही कारण है कि जो लोग पैसा बनाते हैं वे हमेशा वही करते हैं जो दूसरे नहीं करते हैं।

यह पुस्तक केवल आपके और मेरे बारे में नहीं है, परन्तु यह हमारे महान देश के बारे में है। यह एक ऐसी चीज़ है जिसे प्रत्येक भारतीय के लिये पढ़ना आवश्यक है ज़्योंकि इसमें भारी परिवर्तन लाने की शक्ति है। प्रत्येक परिवर्तन हमारे मस्तिष्क में शुरू होता है। हमारी कंपनियों को बढ़ने के लिये हमारे सहयोग की आवश्यकता पड़ती है और जैसे ही वे बढ़ती हैं, हम भी पैसा बनाने लगते हैं। रिलायंस, इन्फ़ोसिस, टाटा, बिरला, एयरटेल, विप्रो, एल एंड टी आदि कुछ भी नहीं होती यदि इन्हें हम अरबों भारतीयों का सहयोग प्राप्त नहीं होता। हमें यह सुनिश्चित करने की ज़रूरत है कि हम इनके जैसी अनेकों कंपनियों को जन्म दें।

आर्थिक विकास और पैसे में ही गरीबी हटाने की शक्ति छिपी है। यही लाखों-करोड़ों लोगों को आगे बढ़ायेगा और उनके चेहरों पर मुस्कुराहट लायेगा। यही आगे बढ़ने में हमारी सहायता करेगा और हमें एक आर्थिक-सामाजिक महाशक्ति बनायेगा जो शोषण के आधार पर नहीं, अपितु नीतिमत्ता, नैतिकता, आध्यात्मिकता और प्यार के आधार पर ऊपर उठेगी। मैं जानता हूँ कि यह संभव है। मैं जानता हूँ कि ऐसा होगा, परन्तु इसे हम सब की आवश्यकता है। हमें केवल हमारे कर्तव्य और कर्म करने की आवश्यकता है - शेष सब कुछ अपने आप ही हो जाएगा।

मुझे मेरी पसंदीदा फिल्म याद आती है - गुरु। यह एक ऐसी फिल्म जो हमारे समक्ष सिद्ध करती है कि सपने अवश्य साकार होते हैं। आज हमारे पूरे राष्ट्र को एक साथ सपने देखने की आवश्यकता है। हम सभी को गुरुभाई जैसा

बनने और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि प्रत्येक भारतीय पैसा बनाये और आर्थिक वृद्धि के माध्यम से समृद्ध बने। प्रत्येक नये धीरूभाई अंबानी या रतन टाटा दूसरे लाखों-करोड़ों लोगों के लिये अवसरों का निर्माण करते हैं। आज ऐसे ही लोगों की मेहरबानी से टेटली, जेगुआर, लैंड रॉवर जैसे प्रतिष्ठित ब्राँड भारत के हो गये हैं।

हमें अभी बहुत दूर तक जाना है और हमारे सामने अनंत संभावना और अवसर हैं। उदाहरण के लिये, आज भी हमारी बचतों का केवल 4 प्रतिशत हिस्सा ही शेयर बाज़ार तक पहुँचता है। अमेरिका जैसी जगह में कम से कम 50 प्रतिशत लोग शेयरों के मालिक हैं। भविष्य में वृद्धि की संभावना की कल्पना कीजिये। समय के साथ-साथ भारत आगे बढ़ेगा और हम सब के सामने विपुल अवसर उपस्थित रहेंगे।

मैं आशा करता हूँ कि लाखों-करोड़ों लोग इस वृद्धि में लंबी अवधि के लिये शामिल होंगे और इसका लाभ उठायेंगे। लंबी अवधि का विचार कीजिये, छोटी अवधि का नहीं। निवेश करना आम के पेड़ का सुंदर बीज बोने और स्वादिष्ट रसीले आम प्राप्त करने के लिये इन्तजार करने के जैसा है। यदि आप में धीरज है और आप ज्ञान में निवेश करते हैं तो आपको पुरस्कार अवश्य मिलेगा। और जैसा कि मैं हमेशा कहता हूँ - 'यह केवल शुरूआत है।'

खुश रहिये और मुस्कुराते हुए पैसे बनाईये!

योगेश छाबरिया

Get Your Copy Now!

http://shop.in.com/product_details.php?pbvId=37363&catId=1230

© Copyright 2008-2009 Yogesh Chabria – Happionaire™
Happionaire Ki Tarhe Nivesh Kare™
The Happionaire™ Way Is A Trademark Owned By Yogesh Chabria
All Rights Reserved
www.happionaire.com

Disclaimer: The above document might have some errors with the Hindi font due to compatibility issues with the conversion to PDF. Please not that these errors are not there in the physical copy of the actual book.